(ग) कोयला खदानों में होने वाली मृत्यु और कोयला के चूर्ण से संबंधित बीमारियों से होने वाली मृत्यु को रोकने हेतु अब तक अपनाए गए सुरक्षात्मक उपायों के असफल रहने के क्या कारण सामने आए हैं; और

(घ) सरकार इस संबंध में क्या कार्यवाही करने का विचार कर रही है ?

खान मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री बलराम सिंह यादव) : (क) और (ख) देश के खनिकों की कोयले की धूल से संबंधित बीमारियों से हुई मौतों के संबंध में कोई भी अध्ययन नहीं किया गया है । चूंकि इस कारण होने वाली किसी भी मौत की सूचना नहीं है ।

(ग) और (घ) प्रश्न नहीं उठते ।

स्पंज आयरन का उत्पादन

5137. **श्रीमती सुषमा स्वराज** : क्या **इस्पात** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि गत तीन वर्षों के दौरान देश में स्पंज आयरन का उत्पादन निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप नहीं हुआ है;

(ख) यदि हां तो क्या इन वर्षों के दौरान उत्पादन लक्ष्य प्राप्त करने में आने वाली कठिनाइयों जैसे उत्तम गुणवत्ता वाली कोयले की अपर्याप्त मात्रा में आपूर्ति, कच्चे लोहे के परिवहन हेतु पर्याप्त सुविधाओं में कमी आदि बातों की ओर सरकार का ध्यान भी आकृष्ट किया गया था;

(ग) यदि हां, तो क्या सरकार ने इन कठिनाइयों को दूर करने के संबंध में कोई कदम उठाए हैं, और

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है ?

इस्पात मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री संतोष मोहन देव) : (क) से (घ) देश में स्पंज लोहे का उत्पादन अधिकांशतः निजी क्षेत्र की इकाइयों में होता है तथा इन इकाइयों द्वारा लक्ष्य का उल्लेख नहीं किया जाता । तथापि, पिछले तीन वर्षों के दौरान स्पंज लोहे के उत्पादन में वृद्धि हुई है । कोयले पर आधारित स्पंज लोहा इकाइयों द्वारा उठाई गयी प्रमुख समस्याओं में से एक समस्या उपयुक्त ग्रेड के अकोककर कोयले की पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध न होना है । लोहा और इस्पात के निर्माताओं को निजी खानों का विकास करने के लिए अनुमति देने के लिए कोयला खान राष्ट्रीयकरण अधिनियम, 1973 को 9-6-93 से संशोधित कर दिया गया है । यह संशोधन खानों से निकाले गए कोयले की धुलाई के लिए धोवन शालाओं को स्थापना करने की अनुमति भी देता है । इसके अतिरिक्त अब अकोककर कोयले पर से सीमा शुल्क को 85% से घटाकर 35% कर दिया गया है । आशा है कि इन उपायों से कोयले पर आधारित स्पंज लोहे के उत्पादन में वृद्धि होगी ।

Effect of coal dust on employees of Bokaro Steel Plant

5138. SHRI GAYA SINGH : Will the Minister of STEEL be pleased to state :

(a) whether it is a fact hat employees of Bokaro Steel city residing at sector IX, VIII, IV, III and II are badly affected by coal dust of Chandrapur especially in summers ;

(b) whether it is also a fact that due to this many of them are suffering from diseases relating to heart, lungs and eyes ;

(c) if so, the steps taken by Government in this regard ; and

(d) if no steps have been taken, the reasons therefor ?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF STEEL (SHRI SANTOSH MOHAN DEV) : (a) and (b) During winter months (November to February) as the predominent wind direction is towards Bokaro Township from D.V.C. Chandrapur side, the dust particles in the ambient air are carried mostly towards Sector-IX and Sector-VIII of Bokaro Steel City. This results in fly ash concentration in the air (not coal dust). However, this problem is not significant during the summer months.

There is no significant difference in the incidence of heart, lung and eye diseases amongst employees residing in Sectors-IX, VIII, IV, III & II as compared to employ-

yees residing in other sectors of Bokaro Steel City.

(c) The steps taken include the following :

1. The D.V.C. Chandrapura has installed 5 Electrostatic Precipitators (ESPs) out of which two ESPs have so far been connected to boilers and are operating. The dust concentration level has therefore started coming down. When all the boilers of D.V.C. Chandrapura are equipped with the ESPs facility, the dust concentration levels are expected to fall within the permissible limits even during winter months.

2. The Environment Control Department of Bokaro Steel Plant is regularly monitoring the dust concentration level and dust fall as also Suspended Particulate Matter (PM) as per the guidelines of Central Pollution Control Board and Bihar State Pollution Control Board.

3. Bokaro Steel Plan has also set up seven Ambient Air Monitoring Stations in the predominent wind dircetion covering the total township and industrial area as per guidelines of the Central and State Pollution Control Boards.

(d) Does not arise.

बोकारो इस्पात संयंत्र में से सामानों की चोरी

5139. **श्री जनार्दन यादव** : क्या इस्पात मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार का ध्यान दिनांक 16 नवम्बर, 1992 के "हिन्दुस्तान" में प्रकाशित एक समाचार की ओर दिलाया गया है जिसमें कहा गया है कि बोकारो इस्पात संयंत्र से प्रतिमाह लगभग 5 करोड़ रुपए के मूल्य के सामान की चोरी हो रही है;

(ख) क्या केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो ने इस संबंध में बोकारो इस्पात संयंत्र के उच्च अधिकारियों के विरुद्ध मामले भी दर्ज किए हैं, यदि हां, तो इसका ब्यौरा क्या है और उन अधिकारियों के विरुद्ध क्या कार्रवाई की गई है;

(ग) क्या यह सच है कि श्रम मंत्रालय ने राज्य सरकार को यह लिखा था कि उसे बोकारो इस्पात संयंत्र से सामानों के चोरी चले जाने के संबंध में शिकायतें मिली हैं और राज्य सरकार को अपने स्तर पर इस मामले में जांच करके एक रिपोर्ट श्रम मंत्रालय को भेजने का निर्देश दिया था; और

(घ) यदि हां, तो सरकार इस चोरी को रोकने के संबंध में क्या कार्यवाही करने का विचार रखती है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं ?

इस्पात मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री संतोष मोहन देव) : (क) जी, हां। तथापि, यह सही नहीं है कि बोकारो इस्पात संयंत्र में हर महीने 5 करोड़ रुपए मूल्य की सम्पत्ति की चोरी होती है।

(ख) "सेल" द्वारा दी गई सूचना के अनुसार कोई मामला दर्ज नहीं कराया गया है।

(ग) इस्पात मंत्रालय को श्रम मंत्रालय द्वारा संदर्भित की गई ऐसी किसी बात की कोई जानकारी नहीं है।

(घ) "सेल"/बोकारो इस्पात संयंत्र में चोरी की रोकथाम/कमी करने के लिए सुरक्षा उपायों को कड़ा कर दिया है। उठाए गए कदमों में निम्नलिखित कदम शामिल हैं :—

(1) सुरक्षा उपायों को गहन करना।

(2) केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल और बोकारो इस्पात संयंत्र की सुरक्षा द्वारा दोहरा ताला लगाने की प्रणाली के साथ रात्रि के दौरान गेटों को सील करना। निकासी गेटों की संख्या को भी कम किया गया है।

(3) रात्रि में वरिष्ठ कार्यपालकों द्वारा निगरानी।

(4) रात को बिना अनुमति के संयंत्र के अंदर ट्रकों को न रहने देना।

(5) संवेदनशील विभागों में स्टाफ की क्रमिक तैनाती।